इंटरनेट पर बढ़ती निर्भरता को लेकर किया आगाह

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय में साइबर एवं सामाजिक क्राइम जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति के तत्वावधान में किया गया था। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डा. रक्षित टंडन ने युवाओं को इंटरनेट पर बढ़ती निर्भरता को लेकर आगाह किया। उन्होंने बताया कि इंटरनेट के लाभ के साथ नुकसान भी हैं। वर्तमान में साइबर अपराध में बढ़ोतरी हो रही है। साइबर अपराध क्या है और कैसे इस पर नियंत्रण पाया जा सकता है इस संबंध में बारीकी से समझाया। उन्होंने बताया कि स्मार्टफोन यूजर अपनी ईमेल आईडी सबसे ज्यादा सुरक्षित रखें। कोई भी एप डाउनलोड करने से पहले आई एग्री का बटन तभी दबाएं जब आप उसके सारे डेटा सुरक्षा नियम पढ़ चुके हों। साइबर अपराधियों से बचने के लिए टेक्नोलॉजी का सही ज्ञान होना आवश्यक है।

अलीगढ़ के डीएसपी क्राइम आरके सिसोदिया ने साइबर संबंधित अपराधों की विवेचना कैसे कि जाती है इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस तैयार है, इसमें आमजन की सहभागिता व जागरूकता आवश्यक है। उत्तर प्रदेश अपराध समिति लखनऊ के चेयरमैन डा. उमेश शर्मा ने कहा कि जब से संचार सेवाओं में बढ़ोतरी हुई है तब से साइबर अपराध की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। जिला बार एसोसिएशन हाथरस के पूर्व सचिव राधा माधव शर्मा ने भी साइबर कानून से संबंधित अपने विचार व्यक्त किए। विद्यार्थियों ने कहा कि कार्यक्रम के आयोजन से उन्हें स्मार्ट फोन चलाने के दौरान साइबर अपराध से बचने की जो जानकारी प्राप्त हुई है वह बहुत की महत्वपूर्ण है। आयोजक सचिव/जेल विजिटर जिला कारागार अलीगढ़ शुभम माहेश्वरी व उनकी टीम के सदस्य विशाल शर्मा रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में विधि के विभागाध्यक्ष डा. हैदर अली ने अतिथियों का अभिनंदन किया। प्रो. सिद्धार्थ जैन ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रो. राजीव शर्मा, प्रो. अनुराग शाक्य, डा. विकास शर्मा, डा. राजेश उपाध्याय, डा. तलत अंजुम, डा. ममता रानी, डा. नियति शर्मा, जितेंद्र यादव, अली अख्तर, लव मित्तल, मोहन माहेश्वरी आदि थे।

तीन दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मुक्त और दूरस्थ शिक्षा और ऑनलाइन शिक्षण कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है। प्राध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। सोमवार को राष्ट्रगान के साथ कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला में दूरस्थ शिक्षा, स्ट्राइड इग्नू के प्रो. सीआरके मूर्ति, इग्नू के सेंटर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन के सहायक निदेशक डा. आशीष के. अवधिया ने प्राध्यापकों को प्रशिक्षण दिया।

प्रो. मूर्ति ने वीडियो लेक्चर को विद्यार्थियों के समक्ष बेहतर तरीके से प्रस्तुत करने का प्रशिक्षण दिया। डा. अवधिया ने बताया कि कैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से शिक्षक बेहतर पठन सामग्री, शोध पत्र आदि तैयार कर सकते हैं। प्रति कुलपति प्रो. सिद्दी वीरेशम ने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सभी प्राध्यापकों को सुझाव दिया कि ग्रुप बनाकर नवीन पाठ्यक्रम विकसित करें। डायरेक्टर ओडीएल डा. मसूद परवेज ने कहा कि यह कार्यशाला प्राध्यापकों के लिए काफी लाभदायक सिद्ध हुई है। आगे भी इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहेगा। कार्यशाला के आयोजन पर कुलपति प्रो. पीके दशोरा, कुलसचिव ब्रिगे. समरवीर सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी गोपाल राजपूत ने प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले प्राध्यापकों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। संचालन समन्वयक असिस्टेंट रजिस्ट्रार डीडीओई डा. सोनी सिंह ने किया। संयोजक डायरेक्टर सीआईक्यूए डा. राजेश उपाध्याय व समन्वयक असिस्टेंट डायरेक्टर डीडीओई लव मित्तल रहे। प्राध्यापकों ने प्रशिक्षण के संबंध में अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर प्रो. राजीव शर्मा, प्रो. राकेश शर्मा, प्रो. प्रमोद शर्मा, प्रो. अनुराग शाक्य, प्रो. सिद्धार्थ जैन, डा. अशोक उपाध्याय, डा. संतोष गौतम, डा. स्वाती अग्रवाल, डा. प्रभात बंसल, डा. दीपशिखा सक्सेना, डा. उमेश दीक्षित, डा. आफरीन खानम, डा. दीपमाला, मनीषा उपाध्याय, उमेश शर्मा, अशोक गुप्ता, नितिन आदि थे।

लक्ष्मी बनी मिस व जीवन बने मिस्टर फेयरवेल

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय में आईबीएमसी द्वारा फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एमबीए, बीबीए व बीकॉम अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को जूनियर्स ने वदाई दी। इस दौरान गीत, संगीत व नृत्य की त्रिवेणी प्रवाहित हुई। शुभारंभ प्रतिकुलपति प्रो. विरेसम सिड्डी व ओडीएल के निदेशक प्रो. मसूद परवेज ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रतिकुलपति ने विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इसके बाद छात्रा सरोज ने नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी, उत्कर्ष जैन ने कविता पाठ किया। पूजा, महक, अनन्या, खुशबू ने नृत्य की प्रस्तुतियां देकर खूब तालियां बटोरी। मिस फेयरवेल लक्ष्मी शर्मा व मिस्टर फेयरवेल जीवन को चुना गया। सभी विजेताओं को विभागाध्यक्ष प्रो. राजीव शर्मा, प्रो. अनुराग शाक्य द्वारा पुरस्कृत किया गया। निर्णायक मंडल में राजेश पंचासरा, राजीव रंजन, श्वेता भारद्वाज रहे। कार्यक्रम का आयोजन डा. नियति शर्मा व शालू अग्रवाल के निर्देशन में किया गया। अनुशासन व्यवस्था प्रो. सिद्धार्थ जैन व प्रो. अंकुर अग्रवाल ने संभाली।

EDITORIAL BOARD : Patron : Prof. Parmendra Kumar Dashora, Vice Chancellor, **Chief Editor :** Dr. Santosh Kumar Gautam, **Associate Editors :** Dr. Rashmi Saxena, Ms. Manisha Upadhyay, Mr. Mayank Jain, **Advisory Board :** Brig Sumar Vir Singh (Retd) Registrar, Prof. Ravi kant, Prof. Rajeev Sharma, Prof. Yatendra Pal Singh, Prof. Abdul Wadood Siddiqui, Dr. Poonam Rani, Dr. Javed Wasim, **Sub Editors/Designing :** Mr. Yogesh kaushik **Student Editors :** Mr. Deepshikha, Mr. Gyanendra Pratap Singh.

www.mangalayatan.edu.in MANGALAYATAN UNIVERSITY E -NEWS LETTER BY PR UNIT

योग के स्पर्श से योगमय करना है तन-मन

मंगलायतन विश्वविद्यालय में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग पर्व का आयोजन किया गया। योग पर्व का शुभारंभ कुलपति प्रो. पीके दशोरा, प्रतिकुलपति प्रो. सिद्दी वीरेशम, प्रो. जयंतीलाल जैन, प्रो. राजीव शर्मा, प्रो. कुमुदनी पवार ने आदियोगी भगवान शिव के समक्ष दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित करके किया। छात्र-छात्राओं की ओर से प्रस्तुत योग की विभिन्न संगीतमई मुद्राओं को देख दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। शिव तांडव, भक्ति योग, कर्म योग आदि की प्रस्तुति से विद्यार्थियों ने योग की आवश्यकता को प्रदर्शित किया। आयोजन में एनएसएस, एमयूएससी व रेडियो नारद का सहयोग रहा।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. पीके दशोरा ने कहा कि योग का अर्थ है जोड़ना। योग स्वंय को स्वंय से जोड़ने का माध्यम है। हमारे देश की यह प्राचीन संस्कृति अब विश्व भर में फैल चुकी है। योग का अभ्यास व्यक्ति के प्रत्येक कर्म में परिलक्षित होना चाहिए। महर्षि पतंजलि ने योग के आठ सूत्र बताए हैं। अपने मन की वृत्तियों को नियंत्रित करना योग है। अपने कर्म में जो हम करते है उसमें कुशलता प्राप्त करना योग है। यम को जीवन में लाकर नियम के साथ चले तो रास्ते सरल हो जाते हैं। विद्यार्थी अपने कर्म में कुशलता प्राप्त करें यही योग का मार्ग है। आनंद व सुख प्राप्त करना है तो हमें अपने जीवन को संयमित रखना है और ध्यान लगाकर कार्य करना है। प्रतिकुलपति ने कहा कि जीवन का प्रत्येक कार्य ही योगमय होना चाहिए। कार्यक्रम संयोजक एवं योग शिक्षिका भावना राज ने शरीर व मन को स्वस्थ रखने के लिए प्रत्येक दिन योग करने व योग को प्राप्त करने का लक्ष्य बनाने का आह्वान किया। संचालन कार्यक्रम समन्वयक प्रो. सिद्धार्थ जैन ने किया। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी गोपाल राजपूत, प्रो. अनुराग शाक्य, डा. राजेश उपाध्याय, डा. नियति शर्मा, डा. अशोक उपाध्याय, डा. पीसी शुक्ला, श्वेता भारद्वाज, सुखपाल सिंह, लव मित्तल, योगेश कौशिक, वीरप्रताप सिंह, शालू अग्रवाल, सरताज खान आदि थे।

विधि विभाग के विद्यार्थियों ने किया कारागार का भ्रमण

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय के विधिक अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा विधि विभाग के छात्र-छात्राओं को जिला कारागार अलीगढ़ का शैक्षणिक भ्रमण प्रतियोगात्मक पाठ्यक्रम के तहत कराया गया। जिसका उद्देश्य कैदियों को कानूनी सलाह देना, जेल के वातावरण के बार में जानकारी प्राप्त करना था। विद्यार्थियों ने जिला कारागार में विधिवत प्रक्रिया द्वारा प्रवेश कर कारागार की अनुशासन व्यवस्था समझी। छात्राओं ने महिला बैरक एवं छात्रों ने पुरुष बैरक में जाकर बंदियों से उनकी दिनचर्या संबंधित जानकारी प्राप्त की।

विभागाध्यक्ष डा. हैदर अली द्वारा वरिष्ठ जेल अधीक्षक विजेंद्र सिंह एवं उप जेल अधीक्षक सुरेश कुमार को मंगलायतन विश्वविद्यालय का प्रतीक चिन्ह व अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। अधिकारियों ने जेल का भ्रमण कराते हुए विस्तृत जानकारी दी। वहीं, जेल में बंदियों के लिए चलाए जा रहे सुधार कार्यक्रम के संबंध में भी बताया गया। जेल अधिकारियों ने विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी दिए। कुलपति प्रो. पीके दशोरा ने जिला कारागार भ्रमण के उद्देश्य के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया। कुलसचिव समरवीर सिंह एवं संयुक्त कुलसचिव प्रो. दिनेश शर्मा ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विधि विभाग के शिक्षक गण जितेंद्र यादव, डा. ममता रानी, डा. विकास शर्मा, अली अख्तर उपस्थित रहे।

पौधरोपण के साथ ली पर्यावरण बचाने की शपथ

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय के मंगलायतन आयुर्वेदा मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर द्वारा सोमवार को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस दौरान विधि विधान से पौधों का पूजन कर पौधरोपण किया। वहीं, संकाय सदस्यों द्वारा पर्यावरण बचाने की शपथ ली गई।

मुख्य अतिथि कुलसचिव बिग्रे. समरवीर सिंह ने पौधों का पूजन किया और सभी को पर्यावरण बचाने व दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई। इस दौरान विश्वविद्यालय के हर्बल गार्डन में पौधरोपण किया गया। कुलसचिव ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण को बचाने के लिए दैनिक जीवन में बदलाव लाने की आवश्यकता है। यदि हम समय रहते नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। सभी को पर्यावरण के अनुकूल आदतों को अपने जीवन में अपनाना होगा। इस अवसर पर प्रधानाचार्या डा. कुमुदिनी पवार, उप प्रधानाचार्य डा. शिव ज्योति, डा. पीसी शुक्ला, डा. अकिना, डा. गणेश, डा. देश दीपक वर्मा, डा. धन्या, डा. कल्पेश, डा. शिवांस, डा. सत्येंद्र राठौर, डा. बीना, डा. नसरीन, डा. वृंदा, डा. अंजली, डा. रेखा रानी, डा. दीपा, डा. सविता, डा. प्रतिभा, डा. दीपू, राघवेंद्र सारस्वत, ममता, रामकिशन का सहयोग रहा।

प्लास्टिक प्रयोग से होती है कैंसर जैसी घातक बीमारी

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस पर सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा प्लास्टिक प्रदूषण का पर्यावरण पर प्रभाव विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के डा. सैफुल्लाह खान रहे। मुख्य वक्ता ने विद्यार्थियों को शपथ दिलाते हुए कहा कि भविष्य में प्लास्टिक की थैली का उपयोग न करते हुए जूट से बने बैग का प्रयोग करें। क्योंकि प्लास्टिक के अत्याधिक प्रयोग के कारण पर्यावरण दूषित होता है और ब्लड प्रेशर, कैंसर जैसी घातक बीमारी फैलती हैं। शोध एवं विकास के डीन प्रो. रविकांत ने कहा कि जिस वस्तु को हम अस्वीकार करते है वह प्रदूषण है। आज मनुष्य के साथ जीव जंतु भी प्लास्टिक निगलने को विवश हैं। प्रो. महेश कुमार ने कहा कि सुविधा के लिए प्लास्टिक का आविष्कार किया गया था लेकिन धीरे–धीरे यह पर्यावरण के लिए नासूर बन गया है। निदेशक शोध प्रो. अशोक पुरोहित ने कहा कि आज प्लास्टिक प्रदूषण गंभीर समस्या है। पहले लोग पीतल, तांबा व मिट्टी के बर्तनों का प्रयोग खान–पान के लिए करते थे।

विभागाध्यक्ष डा. हरित प्रियदर्शी ने कहा कि प्लास्टिक के उत्पादन एवं निस्तारण के विषय में गंभीरता पूर्वक विचार विमर्श किए जाने की आवश्यकता है। समन्वयक वसीम अहमद खान ने आभार व्यक्त किया। छात्रों में मोहसिन, प्रेरणा, मुकुल आदि ने विचार रखे। कार्यक्रम के आयोजन पर कुलपति प्रो. पीके दशोरा, कुलसचिव बिग्रे. समरवीर सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी गोपाल राजपूत, डीन एकेडमिक प्रो. अब्दुल वदूद सिद्दीकी, आईईटी निदेशक प्रो. कपी सिंह ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

नियमित अभ्यास से प्रतिस्पर्धा को नई उड़ान दें खिलाड़ी : कुलपति

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय में फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्टस विभाग द्वारा तीन दिवसीय इंटर डिपार्टमेंट बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को शुभारंभ मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. पीके दशोरा ने फीता काटकर किया। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन पर शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि खिलाड़ी अनुशासन में रहकर नियमित अभ्यास करते रहें और अपनी प्रतिस्पर्धा को एक नई उड़ान दें। विश्वविद्यालय द्वारा खिलाड़ियों के बेहतर भविष्य के लिए हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। इस तरह के खेल आयोजन से प्रतिभाओं में निखार आता है। उन्होंने सफल न होने वाले खिलाड़ियों को भी निरंतर सफलता के लिए प्रयत्न करते रहने की सलाह दी। कुलसचिव बिग्रे. समरवीर सिंह ने खेल को खेल भावना के साथ खेलने की बात कहते हुए कहा कि विद्यार्थियों को खेल में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। प्रो. सिद्धार्थ जैन ने आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी। संयोजक योग प्राध्यापिका भावना राज व कोच सरताज खान ने आभार प्रकट किया। संचालन छात्रा अलीशा ने किया। आयोजन में छात्र मनु उपाध्याय, अनुज शर्मा, कार्तिकेय भारद्वाज, पुलकित उपाध्याय का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर प्रो. आरके शर्मा, डा. दीपशिखा सक्सेना, डा. अशोक उपाध्याय, डा. शगुफ्ता परवीन, राजेश पंचासरा आदि थे।

अंकिता बनी मिस व प्रशांत बने मिस्टर फेयरवेल

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय में कला विभाग द्वारा फेयरवेल पार्टी का आयोजन सावरमती ब्लॉक में किया गया। कार्यक्रम में अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को जूनियर्स ने विदाई दी। इस दौरान गीत, संगीत व नृत्य की त्रिवेणी प्रवाहित हुई। छात्र–छात्राओं ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर खूब तालियां बटोरी। शुभारंभ प्रो. अंकुर अग्रवाल ने मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित कर किया और विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में मिस फेयरवेल अंकिता भारद्वाज व मिस्टर फेयरवेल प्रशांत को चुना गया। सभी विजेताओं को विभागाध्यक्ष डा. अशोक उपाध्याय द्वारा पुरस्कृत किया गया। निर्णायक मंडल में डा. दीपमाला, डा. अरबाव हुसैन, मनीषा उपाध्याय रहे। कार्यक्रम का आयोजन डा. शगुफ्ता परवीन के निर्देशन में किया गया। संचालन काजल ने किया। सुरभि, कौशांबी, राखी, सुमित, आयुशी, पल्लवी, विनीता का सहयोग रहा। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी गोपाल राजपूत, प्रो. रविकांत, डा. पूनम रानी, डा. रश्मि सक्सेना, डा. आकांक्षा सिंह, डा. फरहाना, डा. तारिक अनवर, डा. उमेश दीक्षित, अमित उपाध्याय, मयंक जैन आदि

डेटा एनालिटिक्स में भविष्य बना सकते हैं विद्यार्थी

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका विषय डेटा एनालिटिक्स था। इस कार्यशाला में डूकेट (आईटी स्कूल) नोएडा के मुख्य वक्ता रोहित पाहवा ने डेटा एनालिटिक्स के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डेटा एनालिटिक्स वर्तमान में प्रत्येक क्षेत्र में काम आ रहा है। इसमें विद्यार्थी अपना भविष्य बना सकते हैं। अतिथि डीन रिसर्च प्रो. रविकांत ने कहा कि भविष्य में इसकी बहुत आवश्यकता पड़ने वाली है। कार्यक्रम के आयोजक पॉलिटेक्निक के प्रधानाचार्य मोहन माहेश्वरी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह की कार्यशाला का आयोजन भविष्य में भी किया जाता रहेगा।

अडियोस–2023 का आयोजन, अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को दी विदाई

अलीगढ़। गीत, संगीत, शायरी की झंकार, हंसी की फुहार, नम आंखों से छलकता अपनो के लिए प्यार का संगम मंगलायतन विश्वविद्यालय के ''स्कूल ऑफ फार्मेसी'' इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित अडियोस 2023 (विदाई समारोह) में देखने को मिला। स्कूल ऑफ फामेसी के बी फार्मेसी व डी फार्मेसी के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को विदाई दी गई। जिसमे बी फार्मेसी की अन्नू सिंह मिस अडियोस एवं शिवकांत मिस्टर अडियोस चुने गए। वहीं डी फार्मेसी के अंकित मिस्टर फेयरवेल एवं नेहा मिस फेयरवेल चुनी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल ऑफ फार्मेसी के प्रधानाचार्य प्रो. अब्दुल वदूद सिद्दीकी ने संकाय सदस्यों एवं अंतिम वर्ष बी फार्मेसी और डी फार्मेसी की कक्षा के प्रतिनिधियों के साथ मां सरस्वती की पूजा एवं दीप प्रज्वलित करके किया। प्रो. सिद्दीकी ने बताया कि यह एक पुरातन परंपरा है जिसमें जूनियर विद्यार्थी अपने सीनियर्स को मंगलकामनाओं के साथ विदाई देते हैं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। यह परंपरा जूनियर्स का अपने सीनियर्स के प्रति भाव और सम्मान तथा सीनिसर्य का जूनियर्स के प्रति प्यार दर्शाती है। कार्यक्रम का समन्वयन यादवेंद्र सिंह ठेनुआ ने किया।

निर्णायक की भूमिका में प्रो. सुनील गुप्ता, देवेंद्र सिंह, गुंजन रानी, आफरीन सलमा, नेहा सिंह रही। संचालन प्रेरित व ललित ने किया। इस अवसर पर राहुल सिंह, सुनील सिंह, राजकुमार, शुभम शर्मा, चंदन कुमार सिंह, आकाश उपाध्याय, जितेंद्र, दीपक, विवेक, मोहम्मद रजा आदि थे। विद्यार्थियों में भव्या, आरती, यश, तरुण, गगन, देवांशु, अमन, आशुतोष, कृष्णकांत, सुदर्शन, गोरी, मोहित, रोहित, सचिन, अमित आदि का विशेष सहयोग रहा।

एबीपी न्यूज चौनल का किया भ्रमण

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के छात्र.छात्राओं ने नोएडा स्थित एबीपी न्यूज चौनल के कार्यालय का शैक्षणिक भ्रमण किया। शैक्षिक भ्रमण के दौरान छात्र–छात्राओं को पत्रकारिता की बारीकियों से अवगत कराया गया। वहीं समाचार संकलन एवं प्रसारित करने के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई। शैक्षणिक भ्रमण विभाग के विभागाध्यक्ष डा. संतोष गौतम के नेतृत्व में किया गया।

चौनल में भ्रमण के लिए पहुंचने पर एबीपी न्यूज नेटवर्क के मुख्य संपादक संत प्रसाद राय ने विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने पत्रकारिता की बारीकियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि पत्रकारिता में अपना भविष्य बनाने वाले विद्यार्थी को दूसरों से कुछ हटकर करने का अवसर प्राप्त होता है। वहींए विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। पुष्कर पाराशर ने छात्र.छात्राओं को न्यूज रूम, ग्रीन रूम, एडिटिंग रूम का भ्रमण कराने के साथ ही अन्य जानकारी दी। एबीपी के असाइनमेंट हेड विवेक वाजपेयी ने विद्यार्थियों के साथ संवाद किया तथा उन्हें खबरों के दैनिक क्रियाकलापों से अवगत कराया। इस अवसर पर एबीपी से सुविका बजाज, इंद्रजीत राय, मंविवि से मनीषा उपाध्याय, मयंक जैन मौजूद रहे।

पेंटिंग में प्रमुख कारक हैं मानसिक–चेतना या आत्म–अवलोकन

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय में चित्रकला पर लाइव प्रदर्शन आधारित अतिथि व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया। शिप्रा ब्लाक में व्याख्यान को आयोजित करने का प्राथमिक उद्देश्य प्रतिभागी छात्रों को पेंटिंग के सिद्धांतों और इसके विभिन्न तकनीकी पहलुओं से परिचित कराना था और उन सिद्धांतों को व्यावहारिक आधार पर कैनवास पर कैसे लागू करना है।

प्रख्यात कलाकार और शिक्षाविद डा. शिवेंद्र सिंह को ''मानस चेतना एवं अभिव्यक्ति : चित्रकला के संदर्भ में'' विषय पर व्याख्यान–प्रदर्शन सत्र आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया गया था। सहायक प्रोफेसर अजय सिंह राठौर ने अतिथि का स्वागत किया। प्रो. सिंह ने लाइव प्रदर्शन और उदाहरणों के साथ पेंटिंग के विभिन्न पहलुओं को समझाया। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि अपने विषय वस्तु पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। मानसिक–चेतना या आत्म–अवलोकन एक पेंटिंग में प्रमुख कारक है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इस सत्र का उद्देश्य विषय की विशेषताओं और विवरण के गहन दृष्टिकोण की ओर उन्मुख करना है। पेंटिंग के माध्यम से अभिव्यक्ति की सुंदरता की सराहना करने पर ध्यान होना चाहिए। विभागाध्यक्ष डा. पूनम रानी ने मुख्य अतिथि को अंग–वस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। विभागाध्यक्ष ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए बहुत उपयोगी है। यह आत्मविश्वास और रचनात्मकता विकसित करता है। इस अवसर पर पं. देबाशीष चक्रवर्ती, विलास पालखे, डा. रामकृष्ण घोष, डा. प्रेमलता, उदय कुमार उपस्थित रहे। सत्र अतिथि व विद्यार्थियों के बीच प्रश्न–उत्तर संवाद के माध्यम से समाप्त हुआ।

दिनचर्या में करें योग को शामिल

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय के रेडियो नारद व सिमका संस्था द्वारा विश्व योग दिवस मनाया जा रहा है। कार्यक्रम का विषय योगा वसुदेव कुटुम्बकम रखा गया है। कार्यक्रम का समापन 21 जून को विश्व योग दिवस पर किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत विद्यार्थी व प्राध्यापक योग प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

शिप्रा सभागार में आयोजित योग प्रशिक्षण कार्यक्रम में योग शिक्षिका भावना राज ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अनुलोम विलोम, विभिन्न प्रकार के प्राणायाम, आसन व मुद्राए सिखाई। उन्होंने बताया कि योग हमारे जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। योग को दैनिक जीवन में अपनाने की आवश्यकता है। वर्तमान परिवेश में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता अधिक है। योग हमारी क्षमता को विकसित करते हुए रोगों से दूर रखता है। मुख्य अतिथि डीएसडब्लू के डायरेक्टर प्रो. सिद्धार्थ जैन ने योग की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से हम योग को अपनाने के लिए समाज को प्रेरित करते हैं। विभागाध्यक्ष डा. संतोष गौतम ने कार्यक्रम की सराहना की। संयोजन आरजे वीरप्रताप सिंह ने किया। संचालन याशिका गुप्ता व आभार प्रकट मयंक जैन ने किया। इस अवसर पर डा. शगुफ्ता परवीन, मनीषा उपाध्याय, कोच सरताज खान, योगेश कौशिक के साथ ही छात्रों में ज्ञानेंद्र, दीपशिखा, दीपिका, शिवानी, खुशबू, सताक्षी का सहयोग रहा।